1.मातृभूमि

https://www.youtube.com/watch?v=MwIix5bzBSI

[By dr. vijay kumar]

I . एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१.कवि किसे प्रणाम कर रहे हैं ?

उत्तर : कवि भारतमाता को प्रणाम कर रहे हैं।

२. भारत माँ के हाथों में क्या है ?

उत्तर : भारत माँ के एक हाथ में न्याय पताका और दूसरे हाथ में ज्ञान दीप है।

३.आज माँ के साथ कौन है ?

उत्तर : आज माँ के साथ कोटि-कोटि लोग हैं।

४.सभी ओर क्या गूँज उठा है ?

उत्तर : सभी ओर जय हिन्द का नाद गूँज उठा है।

५.भारत के खेत कैसे हैं ?

उत्तर : भारत के खेत हरे-भरे हैं।

६.भारत भूमि के अंदर क्या-क्या भरा हुआ है ?

उत्तर : भारत भूमि के अंदर खनिजों का व्यापक धन भरा हुआ है।

७.सुख-संपत्ति,धन-धाम को माँ कैसे बाँट रही है ?

उत्तर : -संपत्ति को माँ मुक्त हस्त से बाँट रही है।

८.जग के रूप को बदलने के लिए कवि किससे निवेदन करते हैं ?

उत्तर : जग के रूप को बदलने के लिए कवि भारतमाता से निवेदन करते हैं।

९.'जय-हिंद ' का नाद कहाँ-कहाँ पर गूँजना चाहिए ?

उत्तर : जय-हिंद का नाद सकल नगर और ग्रामों में गूँजना चाहिए।

II. दो – तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :-

१.भारत माँ के प्रकृति – सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

उत्तर : भारत माँ के प्रकृति का वर्णन इस प्रकार है कि, भारत हरे-भरे खेतों से भरा हुआ है। वन-उपवन फल-फूलों से युत है। भारत माँ के अंदर खनिजों का व्यापक धन भरा हुआ है। माँ मुक्त हस्त से सबको सुख-संपत्ति और धन-धाम बाँट रही है।

२. मातृभूमि का स्वरूप कैसे सुशोभित है ?

उत्तर : भारत माँ अपने एक हाथ में न्याय पताका और दूसरे हाथ में ज्ञान-दीप लिए सबको सही रास्ते पर चलने को प्रेरित कर रही है। उसके हृदय में अनेक महान विभूतियों का वास है। उसके गोद में पले बच्चों को परस्पर सहयोग से रहने के लिए प्रेरणा दे रही है।

III. अनुरूपता :

१. वसीयत : नाटक :: चित्रलेखा : उपन्यास

२. शत-शत : द्विरुक्ति :: हरे-भरे : शब्द युग्म

३. बायें हाथ में : न्याय पताका :: दाहिने हाथ में : ज्ञान दीप

४. हस्त : हाथ :: पताका : झंडा

IV. दोनों खंडों को जोड़कर लिखिए :

अ	आ	उत्तर
१.तेरे उर में शायित	अ.वन-उपवन	ऊ.गाँधी,बुद्ध और राम
२.फल-फूलों से युत	आ.आज साथ में	अ.वन-उपवन
३.एक हाथ में	इ.कितना व्यापक	उ.न्याय पताका
४.कोटि-कोटि हम	ई.शत-शत बार प्रणाम	आ.आज साथ में
५.मातृ-भू	उ.न्याय-पताका	ई.शत-शत बार प्रणाम
	ऊ.गाँधी,बुद्ध और राम	

V.रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :-

१.कवि मातृभूमि को शत-शत बार प्रणाम कर रहे हैं।

२. भारत माँ के उर में गाँधी,बुद्ध और राम शायित हैं।

३.वन,उपवन फल-फूलों से युत है।

४. मुक्त हस्त से मातृभूमि सुख-संपत्ति बाँट रही है।

५.सभी ओर जय-हिन्द का नाद गूँज उठे ।

VI. भावार्थ लिखिए :

एक हाथ में न्याय-पताका,
ज्ञान-दीप दूसरे हाथ में,
जग का रूप बदल दे,हे माँ,
कोटि-कोटि हम आज साथ में।
गूँज उठे जय-हिंद नाद से-
सकल नगर और ग्राम,
मातृ-भू शत-शत बार प्रणाम।

उत्तर : कवि श्री.भगवतीचरण वर्मा जी भारतमाता के स्वरूप के बारे में वर्णन करते हुए इस प्रकार कहते हैं कि " भारतमाता के एक हाथ में न्याय-पताका है और दूसरे हाथ में ज्ञान-दीप है। वे माँ से प्रार्थना करते हैं, हे माँ तू जग का रूप बदल दे। आज कोटि-कोटि लोग तुम्हारे साथ में हैं। सकल नगर और ग्राम में जय हिन्द का नाद गूँज उठे। हे माँ तुम्हें शत-शत बार प्रणाम।"

VII. पद्य भाग को पूर्ण कीजिए :

हरे-भरे हैं खेत सुहाने,
फल-फूलों से युत वन-उपवन,
तेरे अंदर भरा हुआ है
खनिजों का कितना व्यापक धन।
मुक्त-हस्त तू बाँट रही है
सुख-संपत्ति, धन-धाम,
मातृ-भू, शत-शत बार प्रणाम।